संख्या-787/2025/607/22-2-2023-17(388)/2022

प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ: दिनांक 15 जुलाई, 2025

विषय:- जिला कारागार, कासगंज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी हारून पुत्र श्री यासीन, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर वर्तमान जनपद-शामली की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उप महानिरीक्षक (मु0), कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या-1683/प्रोबे0-5-दया0 बैठक दिनांक 15.11.2022, दिनांक 18.01.2023 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी हारून पुत्र श्री यासीन, अकबरपुर सुनहटी, थाना-कैराना, जनपद-मुजफ्फरनगर वर्तमान जनपद-शामली का निवासी है। बन्दी द्वारा दिनांक 17.04.2000 को 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राजकुमार गुप्ता नामक लड़के का अपहरण कर अपराध कारित किया गया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-973/2000 में भा0द0वि0 की धारा-368, 364ए के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-9, मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 05.03.2010 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 30.09.2022 तक 16 वर्ष 01 माह 06 दिन की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष 07 माह 06 दिन की सपरिहार सजा काटी गयी है। पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, शामली द्वारा बंदी का अपराध समाज को प्रभावित करने, भविष्य में पुन: अपराध करने की संभावना होने, पुन: अपराध करने में अशक्त न होने, जेल में निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं गयी है। दयायाचिका समिति की आख्या में उल्लिखित किया गया है कि बन्दी की उम्र 46 वर्ष तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, शामली द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं पर सम्यक् विचारोपरान्त समिति द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, कासगंज में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी हारून (बन्दी संख्या-95/2019) पुत्र श्री यासीन, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर वर्तमान जनपद-शामली की भारत का संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

संख्या-787/2025/607(1)/22-2-2023 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर/शामली।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, कासगंज।

3- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।

4- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।

5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।